Digital Storytelling Workshop

**6th to 11th September 2021 by SANGRAM,
Point of View and NNSW as part of the VAMP Institute series 2021**

Director:
Camera:

Date:

DIGITAL STORY WORKSHOP

REPORT

आयोजक

SANGRAM Sanstha

<u>प्रतिभागी</u> –

प्रशिक्षक	गुजरात	झारखण्ड	संग्राम
➢ Hansa Ji ➢ Lalita Lyer ➢ Krupa Ji ➢ Riddhi Ji ➢ Vaishali Ji	➢ Kaushalya JI ➢ Chetan Ji ➢ Punam Ji ➢ Bhavna Ji ➢ Vanita Ji ➢ Aneesh JI	➢ Tara Ji ➢ Prabha Ji ➢ Lalita Ji ➢ Muskan Ji ➢ Runa Ji ➢ Pushpa Ji	➢ Shantilal Ji ➢ Meena mam ➢ Aarthi mam ➢ Akshay ji

प्रशिक्षण की सुरुआत में शांतिलाल जी के द्वारा सभी का स्वागत किया गया और इस प्रशिक्षण का उद्देश्य बतलाया गे जो निम्न हैं |

- ❖ एक दुसरे को करीब से जानना और पहचान बनाना
- ❖ हम अपनी कहानी को डिजिटल स्टोरी के माध्यम से अन्य साथियों / समुदाय के सामने प्रस्तुत करना

डिजिटल स्टोरी एक ऐसा माध्यम है जीसके द्वारा हम अपने से जुड़े हुए कहानी या किसी और की कहानी, अपनी भावनाओं को दूसरों / समुदाय के बिच रोचक और आकर्षक तरीके से प्रस्तुत कर सकते हैं | इस वर्कशॉप से हमें सीखना और समझना है की हम अपनी अनुभव को एक दुसरे के साथ कैसे साझा करें | हम आने वाले 6 दिनों में काफी कुछ सीखेंगे और हमें पूरी प्रक्रिया को सिखाने के लिए "पॉइंट ऑफ़ भ्यु" से प्रशिक्षक उपस्थित हैं | इस प्रशिक्षण से सिखने के बाद हमलोग इसको अपने साथियों के लिए या अपने लिए उपयोग करेंगे और अपनी बातो को समुदाय के समक्ष लायेंगे |

बहुत बार ऐसा होता है की हम बोलते हैं पर कोई सुनाने वाला नहीं होता है और जब सुनाने वाला होता है तो हम बोल नहीं पते हैं | पिछले प्रशिक्षण के अनुभव काफी अच्छा रहा है साथियों ने इसका इस्तेमाल भी किया है उनका अनुभव काफी अच्छा रहा है |

तत्पश्चात आगे के सत्रों के लिए हंसा जी और ललिता जी को आमंत्रित किया गया |

हंसा जी के द्वारा सत्र को आगे बढ़ाते हुए कहा गया कि हमलोग सत्र की सुरुआत एक गतिविधि के साथ करेंगे जिसमे सभी साथी अपनी एक कहानी भी बतलायेंगे जिसमे हमें अपना नाम बोलना है और खुद को एक जानवर की तरह सोंचना (इमैजिन) है | और वो जानवर अभी क्या कर रहा है या महसूस कर रहा है यह भी बतलायेंगे | जैसे मेरा नाम हंसा है मै एक चिड़ियाँ हूँ जो घर के अन्दर रहती हूँ और मै खिड़की पर बैठकर के शीशे से असमान को देखती जा रही है और खुस होती हूँ |

मेरा नाम ललिता है और में एक गिलहरी हूँ और मुझे इस पेड़ से उस पेड़ पर छलांग लगाने में मजा आता है | मै कल एक नारियल के पेड़ से छलांग मारने की कोशिश की पर वो सफल नहीं हुआ, पर आज मै जरुर कोशिश करुँगी और सफल होउंगी |

इसके साथ ही हंसा जी के द्वारा सभी को बारी बारी से परिचय देने के लिए कहा गया और सभी सभी साथियों के द्वारा अपना परिचय दिया गया | सभी सदस्यों के द्वारा उपरोक्त मार्गदर्शन के अनुसार अपना अपना परिचय दिया गया |

परिचय के उपरांत सभी को दो विडिओ दिखाया गया जिसमे पेंटिंग के माध्यम से अपने द्वारा किये गए कार्यो, अनुभव, अपनी बातों को समुदाय या किसी व्यक्ति के समक्ष कैसे प्रस्तुत किया गया है |

दोनों वीडियो को देखने के बाद सभी से पूछा गया की आप इससे क्या समझते हैं या इसके बारे में आपकी सोंच क्या है ? फिर सभी साथियों के द्वारा अपना अपना नजरिया साझा किया गया की वो कहानी को देखने और सुनाने के बाद कैसा महसूस करते हैं वो कहानी के बारे में क्या सोंचते हैं, उनको कहानी में क्या अच्छा लगा |

शांतिलाल जी के द्वारा बतलाया गया कि सेक्स वर्कर को लोग अलग नजरिये से देखते हैं उनके साथ समुदाय के द्वारा हमेसा भेद भाव किया जाता है | इनके कार्यों की वजह लोग उन्हें कलंक मानते हैं | ऐसी स्थिति में हमें उनको समझने की कोशिश करनी चाहिए और यह कोशिश करनी चाहिए कि किस तरह से हम उनको खुद के साथ जोड़कर ऐसा महसूस करा सकते है की उनके लिए क्या सही है |

सत्र को आगे बढ़ाते हुए हंसा जी के द्वारा कहा गया कि एक कहानी बनाने में काफी सारी चीजों की आवश्यकता होती है | किसी भी कहानी को बनाने के लिए हमें मुख्यतः 5 बातो को ध्यान में रखना होता है –

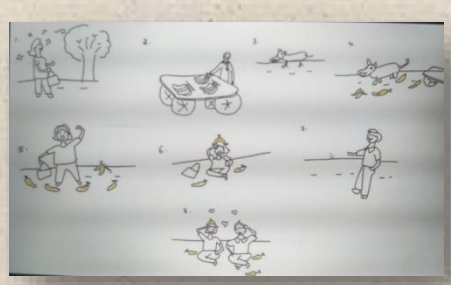

1. कहानी का किरदार कौन कौन है ? कहानी किसके बारे में है ?
2. कहानी में क्या हो रहा है
3. सेटिंग / बैकग्राउंड – कहानी कहाँ पर है, किसी के घर में, घर के बाहर, ट्रेन में, कौन सी जगह पर है, किरदाक किस किस जगह पर जाती है, मॉल, बाजार आदि

4. नेरेटिव पार्ट – कहानी में क्या क्या हो रहा है ये सब नेरेटिव पार्ट में आता है |
5. कहानी में ट्यूसट – कहानी में एक ऐसा मोड़ जहाँ से सोंच अलग हो जाता है जो पूरी कहानी के रुख को बदल देता है |

आखिरी में जो है वो कहानी का इंडिंग (अंत) होता है | हम सभी लोग चाहते है की हमेसा कहानी में हैपी इंडिंग (सकारात्मक / खुसी अंत) हो परन्तु कोई कोई कहानी ऐसा नहीं होता है फिर भी वो कहानी अच्छी होती है |

कहानी की सुरुआत कहीं से भी हो सकती है | कभी कभी ऐसा भी होता है की कहानी शुरू कहीं और से होती है और ख़त्म कही और होती है |

सत्र को आगे बढ़ाते हुए सभी को कुछ चित्र दिखाया गया और पूछा गया की आप इस चित्र से क्या समझ रहे हैं | सभी प्रतिबागियों के द्वारा अपना

अपना नजरिया साझा किया |

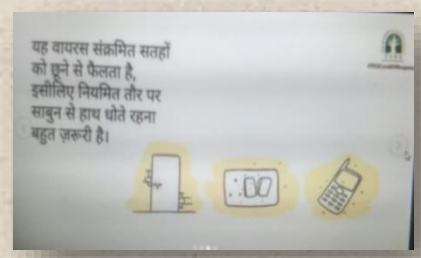

तत्पश्चात सन्दर्भ व्यक्ति के द्वारा हमें समझाया गया कि किस तरह से हम अपनी कहानी को दूसरों के सामने व्यक्त कर सकते हैं | हम किस तरह से दूसरों की कहानियों से जुड़ सकते हैं | हम किस तरह की कहानी को सुनते हैं और क्या महसूस करते हैं | कहानी तभी बनती है जब हमारे साथ कुछ होता है या हम दूसरों के साथ होते कुछ होते हुए देखते हैं | कहानियों में उतार चढ़ाव होनि चाहिए जैसे हमारे जीवन में उतार चढ़ाव होता रहता है, कभी हम खुस होते हैं, कभी दुखी, कभी गुस्सा तो कभी उत्साहित | जब तक कहानी में उतार चढ़ाव न हो तो मजा नहीं आता है और देखने वाले उसे चाव से नहीं देखते हैं | कहानी देखते समय देखने वालों के अन्दर कुछ भावना होती है जिसे हम समानुभूति (Empathy) कहते हैं | देखने वाला अपने आपको उस किरदार की जगह पर रखता है और उसकी कहानी को महसूस करने की कोशिश करता है | यह भी कहानी का महत्वपूर्ण भाग है जो हमें एक कहानी से जोड़ने में सहयोगी होता है | कभी कभी कहानी में Twist होता है फिर हम सोंचते हैं की कुछ और, कुछ और, कुछ और |

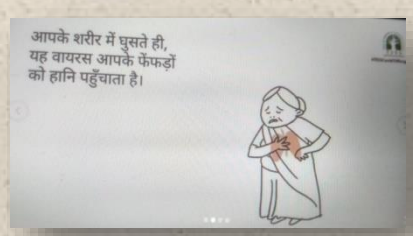

सत्र को आगे बढ़ाते हुए सभी से कहा गया कि आप सभी साथी अपने को जिस जानवर या पक्षी के साथ जोड़कर परिचय दिया था अब उसी को किरदार बनाकर आप अपनी कहानी को आगे बढ़ाएंगे |

तत्पश्चात सभी साथियों के द्वारा अपने अपने किरदार के अनुसार कहानी के प्रथम भाग को साझा किया गया | फिर संदर्भ व्यक्ति के द्वारा सभी सदस्यों को एक मेंटोर के साथ अलग अलग तिन समूह में विभाजित किया गया

समूह - 1	समूह - 2	समूह - 3
• कौशल्या • चेतना • पूनम • भावना • ललिता अईयर	• अनिश • विनीता • तारा • प्रभा • कृपा	• ललिता • मुस्कान • रुना • पुष्पा • हंसा

समूह – 3

समूह विभाजन के उपरांत समूह 3 में सभी साथियों को पूछा गया कि आप सभी लोग अपने अपने कहानी को किस माध्यम से प्रस्तुत करना चाहते हैं ? समूह नंबर 3 से दो साथी डिजिटल और दो साथी पेंटिंग के माध्यम से अपनी कहानी को प्रस्तुत करना तय किया | तत्पश्चात सभी को कहानी से संबंधित कुछ फोटो को डाउनलोड करने और चित्र बनाने के लिए कहा गया और साथ ही अपनी कहानी को voice msg के माध्यम से भजने के लिए कहा गया और सभी प्रतिभागियों के द्वारा फोटो और कहानी अपने अपने समूह में भेजा गया |

ललिता – साहसी लड़की की कहानी

एक लड़की थी जिसका नाम खुशी था | वो बचपन से साहसी और खुशमिजाज लड़की थी | एक दिन उसकी शादी हो गई और वो अपने पति के साथ खुशी से ससुराल में रहने लगी | कुछ दिन बाद उसका पति उसे मारने पीटने लगा | यह कहानी बहुत दिनों (लगभग 2 वर्ष) तक चला |

एक दिन खुशी ने सोंचा रोज रोज मार खाने से अच्छा है की अपने ऊपर होने वाले हिंसा के खिलाफ आवाज उठाए और खुशी ने आवाज उठाया और ठाना की इसी तरह महिलाओं के साथ होने वाले हिंसा के खिलाफ हमें आवाज उठान है |

रुना – दो दोस्तों की कहानी

घर से निकलते हैं तो रस्ते में खुशी को देखते है मोटरसाइकिल में जाते हुए तो मुझे बहुत अच्छा लगता है | एक दिन खुशी जा रही थी तो उसको देखकर लडके सिटी बजाते हैं | ये देखकर मुझे अच्छा नहीं लगा और गुस्सा भी आया, लेकिन मई कुछ नहीं बोली और वहां से अपने घर आ गई | दुसरे दिन मै खुंसी से संस्था में मिलते हैं और अपना दुःख दर्द बांटते हैं और फिर हमलोग रोज मिलने लगे |

मुस्कान – गोलू और स्वीटी की कहानी

न स्वीटी गोलू के बगैर अकेले रहती है और न ही गोलू | स्वीटी बहुत ही अच्छी और खुशमिजाज किस्म की लड़की है | स्वीटी चाहती है की वो गोलू को खूब पढ़ाये और अच्छा इन्सान बनाये | गोलू और स्वीटी साथ में खाना कहते हैं, घूमते हैं, किराना दूकान जाते हैं, साइकल चलते हैं |

गोलू और स्वीटी चले बर्थ सर्टिफिकेट बनाने | स्वीटी गोलू का दुनिया के सामने पहचान बनाने के लिए उसका बर्थ सर्टिफिकेट बनाना चाहती है ताकि गोलू का पहचान के आधार हो उसका बर्थ सर्टीफिके |

पुष्पा – श्रुति की कहानी

श्रुति एक दिन अपने घर के आंगन में बैठी है और एक चीटी को देखती है जो अपने मुह में एक जलेबी का टुकड़ा लेकर दिवार पर चढ़ने की कोसिस करती है और वो गिर जाती है पर वो हिम्मत नहीं हारती है लगातार दिवार पर चढने का प्रयास करती है और काफी समय के बाद वो अंत में दिवार पर चढ़ जारी है |

चीटी को देखकर श्रुति के अन्दर एक नई एनर्जी आई और वो तुरंत उठी और वो फिर वो उस जगह गई जहाँ SW महिलाये रहती है | उसने सभी के साथ हँसते हुए सभी से मिली और हाल चाल पूछा | फिर उसने ललिता से कहा की ललिता हमको आपसे एक जरुरी बात करनी है | फिर दोनी एक पास के होटल में चाय पिते है तभी एक महिला आकर कहती है की मेरा पति शराब पीकर काफी मार पिट कर रहा है मई क्या करूँ | तब श्रुति ललिता से कहती है ललिता क्या हमलोग एक मीटिंग कर सकते है | ललिता कहती है कि मई सभी से बात कर आपको बतलाती हूँ फिर श्रुति चली जाती है |

सन्दर्भ व्यक्ति के द्वारा हमें बतलाया गया कि आप InShot और WaveEditor के माध्यम से एडिट करें –

- हम जब भी हम अपनी बातो को रिकॉर्ड करेंगे तो बोलने के आगे थोडा स्पेस छोड़ेंगे और रिकार्डिंग ख़त्म करने के बाद थोडा स्पेस छोड़ेंगे ताकि जब हम सभी रिकार्डिंग को जोड़ेंगे तो हमें उसे काटने के लिए स्पेस होगा |
- रिकार्डिंग को छोटे छोटे भागों में रिकॉर्ड करें पर इतना भी छोटा ना करें की बाद में जोड़ना मुस्किल हो
- आप अपने चित्र को ध्यान में रखते हुए अपनी आवाज की रिकार्डिंग को चित्रों के साथ साथ जोड़ें
- हर पार्ट के लिए आप चित्र बना सकते हैं आदि

सभी के साथ व्यक्तिगत रूप से सन्दर्भ व्यक्ति के द्वारा सभी सदस्यों को बारीकी से सभी के पिक्चर और रिकार्डिंग को एडिट करने दिखलाया | साथ ही उनको WaveEditor से संबंधित सभी टेक्नीकल बैटन को भी बतलाया गया | सभी के विडिओ को एडिट करने के उपरांत फाइनल विडिओ को सभी को दिखाया गया |

इसके साथ ही बैठक की समाप्ति की गई |

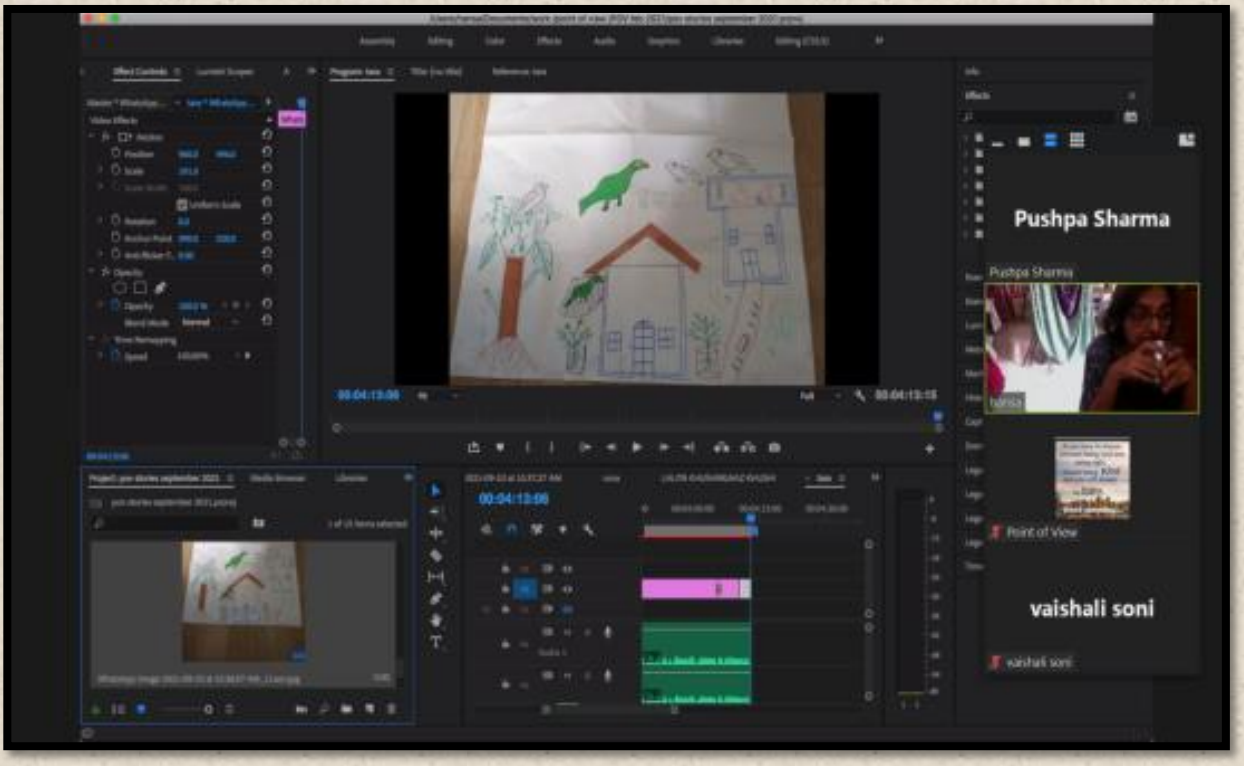
Pushpa Sharma
Pushpa Sharma
Point of View
vaishali soni
vaishali soni

www.sangram.org
sangramsanstha@gmail.com